

न्यायालय उपरिकालिकारी राठ (जीर्णसुर)

एकट नं० ८० सन् २०१२ ई० वारा १४३ जैत्रूल्लास

जगतराज भुजियोदयाल के राठ द्वारा प्रदेशीक मदनपाल सिंह भवान सरकार आदि  
मौजा राठ पुरब पश्चिम राठसील राठ जिला हुम्हीनुर

वारदात

एकुल वाद चारी जगतराज भुजियोदयाल के राठ द्वारा प्रदेशीक मदनपाल सिंह पुर  
जगतराज भुजियोदयाल निवासी दुर्गल्ला रिकन्वेपुरा राठ की ओर से सरकार आदि  
को प्रतिवादीगण निष्ठ करते हुए घोषित किया गया। जिसमें मौजा राठ-पुरब की खातीनी  
सन् १४१८ फ० लगायत १४२१ फ० के खाता र्ह० ३७४ एवं अधिक नाटा र्ह० १७५७/२ रकवा  
१,०६० र्ह० माझ्यु १७९६ रुपयों में अपने जम्मूर्ण अंग पर उन्नियिक भूमि घोषित किये आये  
ऐसु प्रस्तुत किया गया।

वाद पञ्च के समर्थन में मौजा राठ पुरब की खातीनी सन् १४१८ फ० लगायत १४२१ फ०  
के खाता र्ह० ३७४ एवं जगतराज सन् १४१८ फ० मौजा राठ पुरब एवं शापथ एक त्रैसीकावटी  
रजिस्ट्रेशन द्वारा प्रमाणपत्र नं० २४४/२०११-१२ दिनांकित ०८.०६.११ की छापापत्रि दखिल  
की।

वाद दर्ज चौंकी किया गया। राठसीलदार राठ से रखलीय निरीकण कराकर आळंग  
हैलम थी गई। राठसीलदार राठ की खातीनी दिनांक २१.०४.१२, जैत्रूल्ला नियमालाकी के नियम  
र्ह० १३५ के अनुर्ध्व आदेश एवं नियमी नक्शा लडिया गात हुई।

कम्पायदां छों चुना गया एवं प्रावधानी का शब्दोङ्कन किया गया। प्रावधानी पर  
उपलब्ध राठसीलदार राठ की अख्या के अवशोकन से स्पष्ट है कि वाद भूमि में विद्यालय  
निर्माणाधीन है जबकि यह दृष्ट भालू खाली महालिकाल राठ की निर्माण शुरू किया जा रहा  
है। राठसीलदार राठ ने वारा १४३ जैत्रूल्ला एकट के राठ वाद भूमि अकृतक घोषित किये  
आने ऐसु अख्या दिनांकित २१.०४.१२ सिर्वाति सहित प्रस्तुत की है।

वह राठसीलदार राठ की सानियन प्रस्तुत आदेश दिनांकित २१.०४.१२ की पुस्ति की  
जाती है। जो आदेश का जीव होगा। मौजा राठ पुरब की खातीनी सन् १४१८ फ० लगायत

स्वामीनाथ  
प्रदेशीक  
जगतराज भुजियोदयाल  
राठ (जीर्णसुर) डॉ५०

२११

६२५

1421 वर्ष के द्वारा रो 374 में जगन्नाथ-महाकिंशलय राठ द्वारा प्रकाश महानवाल सिंह, धुम जगद्गुरुज मुखिया किंशा संस्कारन सिवानी मुहम्मद सिंकन्सनमुरा राठ के नाम अधिकार गाठ रो 1757/2 रकम 1,000 है। मात्रगु 17.05 लंबे जो गैर कृति प्रयोजन छेत्र (बाबादी) घोषित किया जाता है उसके मात्रगु 10 मुलत किया जाता है। तदनुसार परवाना जारी हो, आदेश की प्रति चहरीलकार राठ एवं एचनिर्वाक राठ को भेजी जाये। धार्मप्रकाश के बाद प्रभावली दावदूँड हो।

दिनांक 08.06.12

४२६.१२  
(रामधारी गहिराम )  
चमोहिलाविकारी, राठ  
हुमीशपुर।

आज यह आदेश अवौछलाकारी द्वारा खुले न्यायालय में सातवीं हस्तावित कर्त्ता -  
उद्घासित किया गया।

दिनांक 09.06.12

४२६.१२  
(रामधारी गहिराम )  
चमोहिलाविकारी, राठ  
हुमीशपुर।

अधिकारी  
प्रबन्धक  
जगन्नाथ-महाकिंशलय  
राठ (इनीश्टुर)

अधिकारी  
प्रबन्धक  
नानासाम प्रापाविहाली  
राठ (प्रभान्धक नाम)